Reg. No. | | | | | | | | | |

BCAHDL 154/BHMHDL 154/BHSHDL 154/
BSAHDL 154/BFDHDL 154/BIDHDL 154

II Semester B.C.A./B.H.M./B.Sc. (HS)/B.Sc. (FD)/B.Sc. (AV)/ B.Sc. (ID & D) Degree Examination, April/May 2019

(Credit Based Semester Scheme)

(Common to all Batches)

HINDI LANGUAGE

Group I – Paper II

Time : 3 Hours] [Max. Marks : 80

I. एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **(5 × 1 = 5)**

1. वसंत – एकांकी के लेखक कौन है?
2. सेक्रेटरी का नाम क्या है?
3. निरंजन अपने दोस्त के घर क्यों आया था?
4. राजनाथ की बेटी का नाम क्या है?
5. गुल गौरी को क्या देता है?

Shri Dharmasthala Manjunatheshwara College of Business Management Library MANGALORE - 575 003

II. **किन्हीं तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(3 × 5 = 15)**

1. न । उड़ जानेवाली चीजों को प्यार नहीं करना चाहिए। छोड़कर चली जाती है तो दुःख होता है।
2. साढ़े छह तक आराम से आएंगे लोग। वक्त की पाबन्दी तो सिर्फ एक आदमी पर है। क्योंकि वह कमबख्त सेक्रेटरी है।
3. जानकी का युग इस देश में कभी नहीं मिटेगा। मैं जानकी हूँ। इस देश की कोई भी स्त्री जानकी है। जब तक हमारे भीतर जानकी का त्याग है, जानकी की क्षमा है, तब तक हम वही हैं।
4. उसका डरना ठीक है। हैवान से आदमी नहीं डरता, लेकिन जब इन्सान हैवान बन जाता है तो उससे बस डरा ही जाता है।

P.T.O.

III. (अ) "वसंत" - एकांकी का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

"बहुत बड़ा सवाल" - एकांकी में छिपे हुए व्यंग्य को अपने शब्दों में समझाइए।

(आ) "एक दिन" – एकांकी के आधार पर निरंजन का चरित्र चित्रण कीजिए। (10)

अथवा

"रक्त चन्दन" – एकांकी का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV. टिप्पणी लिखिए। (5)

1. राजनाथ अथवा 2. राम भरोसे और श्याम भरोसे

V. "दौड़" उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए। (10)

अथवा

"दौड़" उपन्यास के दो प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए।

VI. टिप्पणी लिखिए। (5)

1. पवन अथवा 2. राकेश

VII. नौकरी के संदर्भ में अपना एक स्व–वृत्त तैयार कीजिए। (5)

VIII. निम्न लिखित गद्यांश पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (5)

ईश्वर की लीला विचित्र है। जब संसार में किसी प्रकार का अभाव हो जाता है अथवा किसी बात की आवश्यकता से अधिक प्रचुरता हो जाती है तब ऐसा प्रबन्ध कर देता है कि स्थिति पुनः प्रकृति के अनुकूल हो जाती है। इसी नियम के अनुसार ऐसे महानुभावों का प्रादुर्भाव भी होता है जो अपनी प्रतिभा से संसार को चकित कर बुराइयों का मूलोच्छेद कर भलाइयों की स्थापना में दत्तचित्त होते हैं और अपनी दृढता, आदर्शचरितता, सत्यनिष्ठा, दूरदर्शिता आदि सद्गुणों से जिस देश में उत्पन्न होते हैं उसकी भावी उन्नति का मार्ग सुविस्तृत तथा परिमार्जित कर जाते हैं। राजा राम मोहन राय इन्हीं महानुभावों में से थे। ये अपने जीवन काल में धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक अवस्थाओं के सुधार में प्रशंसनीय उद्योग कर मातृभूमि के कल्याण में दत्तचित्त हुए थे।

प्रश्न :

1. किन नियमों के अनुसार महानुभावों का प्रादुर्भाव होता है?
2. वे क्या करते हैं?
3. उनमें क्या-क्या सद्गुण होते हैं?
4. राजा राममोहन राय किन महानुभावों में से थे?
5. वे किस बात से दत्तचित्त हुए थे और कैसे?

IX. **किन्हीं दो** विषयों पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 5 = 10)**

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – प्रासंगिकता
2. मीडिया और समाज
3. संचार भाषा और हिन्दी मीडिया

Sri Dharmasthala Manjunatheshwara
College of Business Management Library
MANGALORE - 575 003